उत्तर प्रदेश राज्य दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी का अभिभाषण

दिनांक : 24 जनवरी 2024, बुधवार	**समय : 5.30 PM**	**स्थान : जी,एम.सी.एच. प्रेक्षागृह**

नमस्कार !

आज देश के सबसे बड़े राज्य "उत्तर प्रदेश" का स्थापना दिवस है। इस अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक बधाई और अनेकानेक शुभकामनाएँ देता हूँ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर केन्द्र सरकार के "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के तहत सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इस पहल से "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना और सशक्त होगी। साथ ही देशवासियों के बीच पारस्परिक सद्भाव और बंधुत्व की भावना भी मजबूत होगी।

भारत एक बहुत ही खूबसूरत देश है। हमारा भारत दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता वाला देश है। यही कारण है कि दुनिया ने हमेशा हमें ज्ञान और संसाधन की भूमि के रूप में देखा है। इसलिए इस महान देश का नागरिक होना बहुत ही गर्व की बात है।

भारत 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों का एक संघ है, जिसकी अपनी अनूठी संस्कृति और परंपरा है, जो देश की विविधता को जोड़ती है। इन विविधताओं के बावजूद, देश सांस्कृतिक रूप से एक है, यही हमारी ताकत है, यही हमारी पहचान है।

देवियों और सज्जनों,

प्रतिवर्ष 24 जनवरी को "उत्तर प्रदेश दिवस" मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश का 4000 साल का समृद्ध इतिहास रहा है। यह राज्य गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जानी जाती है। यह गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम के लिए जाना जाता है। यह राज्य राजनीति के लिए भी जाना जाता है। यह राज्य इतिहास में कई साम्राज्यों के बनने और बिगड़ने का गवाह रहा है।

कहा जाता है कि इस राज्य में 2000 ईसा पूर्व में जब आर्य आए तब से हिन्दू संस्कृति की इस राज्य में नींव पड़ी। 400 ईसा पूर्व के काल से नंद और मौर्य वंश ने जो साम्राज्य की परिधि बनाई, उसके हृदय में शुंग, कुषाण, गुप्त, पाल, राष्ट्रकूट और फिर मुगलों ने ये भू-भाग सुरक्षित बनाये रखा। यह राज्य सिर्फ हिन्दू संस्कृति नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म के प्रेरणादायी अतीत की गाथा की भूमि भी रही है।

पहले यह राज्य “यूनाइटेड प्रॉविंस” के नाम से पहचाना जाता था। 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश को उसका नाम मिला। 1 अप्रैल 1937 को ब्रिटिश शासन के दौरान इसे संयुक्त प्रांत आगरा और अवध के रूप में स्थापित किया गया था। ब्रिटिश शासनकाल में इसे “यूनाइटेड प्रॉविंस” कहा जाता था, जो कि 24 जनवरी 1950 में बदलकर उत्तर प्रदेश किया गया।

मुझे बताया गया है कि 24 जनवरी 1989 से महाराष्ट्र में रहे लोग प्रत्येक वर्ष इस तारीख को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाते थे। इस बात को लेकर काफी विवाद हुआ था। महाराष्ट्र में 24 जनवरी को यूपी दिवस कार्यक्रम करने का श्रेय श्री अमरजीत मिश्र को जाता है। उनकी इच्छा थी कि इस दिन को उत्तर प्रदेश में भी मनाया जाए।

जब यूपी के राज्यपाल श्री राम नाइक बने तो अमरजीत ने राज्यपाल के सामने इस प्रस्ताव को रखा, जिस पर राज्यपाल ने निर्णय लेते हुए तत्कालीन समाजवादी सरकार के पास प्रस्ताव भेजा, लेकिन किसी कारणवश वह सफल नहीं हो सका।

बाद में राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई तब फिर से राज्यपाल श्री राम नाइक ने प्रस्ताव भेजा। जिसके पश्चात योगी सरकार ने प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए प्रत्येक वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस मनाने का निर्णय लिया। साल 2018 से इस दिन को उत्तर प्रदेश में मनाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश संस्कृति और साहित्य में समृद्ध राज्य है। यह राज्य कई धर्मों की संस्कृति का केंद्र है। यह वास्तुशिल्प, चित्रकारी, संगीत, नृत्यकला के लिए प्रसिद्ध है। यह राज्य हिन्दुओं की प्राचीन सभ्यता का धरोहर है।

यहां के कई आश्रमों में वैदिक साहित्य मन्त्र, मनुस्मृति, महाकाव्य- रामायण और महाभारत के उल्लेखनीय हिस्से जीवंत हैं। भगवान श्री राम की जन्मभूमि के लिए तो उत्तर प्रदेश का अयोध्या विश्व प्रसिद्ध है। दो दिन पहले आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

भारतीय नृत्य की बात करें तो 18वीं शताब्दी में उत्तर प्रदेश में वृन्दावन और मथुरा के मन्दिरों में भक्तिपूर्ण नृत्य के तौर पर विकसित शास्त्रीय नृत्य शैली “कथक” उत्तरी भारत की शास्त्रीय नृत्य शैलियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध है। इस राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के लोकगीत काफी मशहूर हैं।

साहित्य की बात करें तो उत्तर प्रदेश की धरती पर एक से बढ़कर एक लेखक और कवि पैदा हुए। गोस्वामी तुलसीदास, कबीरदास, सूरदास, भारतेंदु हरिश्चंद्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य राम चन्द्र शुक्ल, मुंशी प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पन्त, मैथलीशरण गुप्त, सोहन लाल द्विवेदी, हरिवंशराय बच्चन, महादेवी वर्मा, राही मासूम रजा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय आदि कुछ ऐसे ही बड़े नाम हैं।

ऐसा नहीं कि राज्य में सिर्फ हिन्दी या संस्कृत साहित्य समृद्ध है। उत्तर प्रदेश के साथ उर्दू साहित्य के एक से बड़े एक नाम भी जुड़े हैं। फिराक़, जोश मलीहाबादी, अकबर इलाहाबादी, नज़ीर, वसीम बरेलवी, चकबस्त जैसे अनगिनत शायर उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश की शान हैं।

इस राज्य में एक से बढ़कर एक चीजें देखने लायक हैं। पर्यटकों के लिए उत्तर प्रदेश में कई धार्मिक स्थल हैं तो वहीं प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी ताजमहल भी इसी राज्य में है। तीर्थ स्थानों में वाराणसी, अयोध्या, विंध्याचल, चित्रकूट, शाकम्भरीदेवी सहारनपुर, प्रयाग, सोरों, मथुरा, वृन्दावन, देवा शरीफ, नैमिषारण्य आदि लंबी सूची है।

इसी प्रकार हर राज्य की अपनी विशेष पहचान है। हमारा असम भी अपने आप में विशिष्ट है, अद्‌वितीय है। सरकारी सेवा, रोजगार और पर्यटन आदि की दृष्टि से असम और उत्तर प्रदेश के लोगों का आवाजाही रहती है। भले ही दोनों प्रदेश के लोगों की भाषा अलग हो, पहनावा अलग हो, खानपान अलग हो, रहन-सहन अलग हो, परंतु सभी के बीच एक आत्मिक संबंध है। सभी अपने राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हैं, अपने आप को भारतीय होने का गर्व करते हैं।

मेरा मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से एकता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह राष्ट्र की संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह अभियान देश की विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं को पहचानने और उजागर करने में भी मदद करेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि राष्ट्रीय विकास के इस अमृत काल में यह कार्यक्रम निश्चित रूप से विकसित भारत की नींव को मजबूत करेगा।

आज, उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर मैं उन लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने अपने राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया।

मैं उत्तर प्रदेश सहित संपूर्ण देश के निरंतर विकास और प्रगति की कामना करते हुए आप सभी को एक बार पुन: हृदय में बधाई देता हूँ।

धन्यवाद,

जय हिन्द।